भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1757
बुधवार, 13 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्र का कटाव

1757. श्री वी. वैथिलिंगम:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि पुडुचेरी में बंगाल की खाड़ी से लगी तट रेखा पर बार-बार समुद्री कटाव हो रहा है और इससे मछुआरों के आवास प्रभावित हो रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को जानकारी है कि पुडुचेरी के पिल्लैचावडी, कालापेट, कनागाचेट्टीकुलम और चिन्ना कलापेट गांवों में कटाव की गंभीरता को देखते हुए मछुआरों के जीवन को बचाने के लिए तटीय गांवों की सुरक्षा हेतु एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का पुडुचेरी तट पर समुद्र कटाव रोधी कार्य को निष्पादित करने के लिए संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन को वित्तीय सहायता प्रदान करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) जी हां। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संबद्ध कार्यालय, राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर) ने संघ राज्य क्षेत्र पुदुच्चेरी के तट के समानांतर तटरेखा में परिवर्तनों का व्यापक आंकलन किया है। निष्कर्षों के अनुसार, लगभग 50% समुद्र तट पर कटाव हो रहा है, 10% समुद्र तट पर कटाव बढ़ रहा है तथा 40% तट स्थिर है। आधिकारिक रिपोर्ट पुदुच्चेरी के माननीय उपराज्यपाल, डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन और श्री एन. रंगासामी, पुदुच्चेरी के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 13 फरवरी, 2023 को जारी की गई।

(ख) जी हां। पुदुच्चेरी सरकार ने राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर) से पुदुच्चेरी तट के समानांतर तटीय कटाव को कम करने के लिए एक रिपोर्ट तैयार करने का अनुरोध किया है। यह रिपोर्ट "एनहेंसिंग कोस्टल डिजास्टर रिसिलिएंश इन पुदुच्चेरी – इफेक्टिव मिटिगेशन अप्रोच" तैयार की गई थी और संघ राज्य क्षेत्र पुदुच्चेरी प्रशासन ने संभावित वित्तपोषण के लिए इसे राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) को सौंप दिया है।

(ग) और (घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र के माध्यम से वैज्ञानिक अध्ययन करता है और पुदुच्चेरी सहित तटीय राज्यों के लिए तटीय कटाव के लिए केवल तकनीकी समाधान प्रदान करता है। समुद्री कटावरोधी उपायों का कार्यान्वयन संघ राज्य क्षेत्र पुदुच्चेरी की सरकार द्वारा किया जाना है।

****